



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



## Cadaver Organ Donor

**Lt. Chhayaben Chetankumar Desai**

**Donated her : Kidney, Liver & Eyes**

**Date:- 22/07/2020**

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

**AMID PANDEMIC THREAT, SURAT MAKES FOUR CADAVER DONATIONS IN 25 DAYS**

## In death, two give 10 fresh shot at life

TIMES NEWS NETWORK

**Surat:** Two brain-dead persons in Surat city gave 10 people a chance to live life afresh on Thursday after both donated five vital organs each, including their eyes.

In the first case, 58-year-old Chhaya Desai, a resident of Desai Street in Udhna village in the city suffered a sudden deterioration in her health after which she was brought to the INS hospital on July 17. Doctors performed a craniotomy surgery on her the next day, but Desai slipped into a coma and was later declared brain-dead July 22.

"After the kin of deceased Chhayaben Desai agreed for cadaver donations, we informed the State Organ and Tis-



Chhaya Desai from Udhna and Manubhai Patel who were declared brain dead whose organs were donated

sue Transplant Organisation (SOTTO) convener, Dr Pranjal Modi, at the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC), Ahmedabad. A team of IKDRC came to Surat and harvested two kidneys, a liver from Desai and the three organs were transplanted in three patients at Ahmedabad. Surat-based Lok Drishti Bank

collected her two eyes," Niles Mandlewala, founder of Donate Life, an NGO engaged in cadaver donation, told TOI.

Talking to TOI, Chetan Desai, Chhayaben's husband said, "My wife was a religious person and always wanted to help others. Her death was certain. And even in our grief, we knew she would have wanted others to enjoy life."

In the second case, 63-year-old Manubhai Patel, a resident of Navagam of Navsari district was seriously injured in a road accident on July 20 at his village. He was brought to the INS Hospital where he was declared brain-dead on July 22.

"Both brain-dead persons were at the same hospital. Manubhai gave life to five persons

by donating two eyes, two kidneys, and liver. Three organs were transplanted in three persons at Ahmedabad on Thursday. An eye bank collected the two eyes," Mandlewala added.

"My father always told me to help people as much as you can and also practiced it in his own lifetime. It is an important life lesson he left for us and I knew that the best tribute that we can accord him is by donating his vital organs to help the needy live life once again," said his son, Dhaval Patel.

"While donations dipped due to Covid, Surat has been leading with four donations so far in the past 25 days. These included eight kidneys, four livers, one heart, and six eyes," Mandlewala added.

## पंजिटीव खबरः देश की पहली घटना

# दो के अंगदान से 10 को मिला जीवनदान

चार किडनी, दो लीवर  
सहित चारुओं का  
किया गया दान



जनसेवा संसाधन  
सूत्र, 23 जुलाई

कोरोना का बाहरी के बीच भी  
उत्तमी का नम्रा और सदा की  
भावना संरक्षण है। उत्तमीका  
नम्रा में रहने वाले जनों के बीच

मरियाद चारुओं के दान से यह देश  
में पहली घटना है।

बासानाम निवास इमार इमार एवं निवासी का जीवनदान लेवाल्या देसाई (58 वर्ष) 12 जुलाई को दान  
को कर्तव्य व यहां से लौटी लौटी  
लग्न अवश्यक दानों की लिखित  
स्थग है। लौटी लौटी  
निवासी के अंगदान से 10  
वर्षावाले व्यक्तियों को जीवनदान  
दिया है। चार किडनी, दो लीवर

पिता की इच्छा पूरी की

सभु दान के दूष प्रकार ने कहा कि जिस नींव भी दी गई,  
को स्वरूप के लिए इसका आवा रहा। उनकी हम दान को पूछ करते  
हुए उनके बारे का कहा किया। ताकि भी उत्तमीर जीवन जीवन  
में सुखावाली जाए।

गगः दूषी भावने में कवाही नियम  
नियम नियमों में लिखा गया है।  
(65 वर्ष) 20 जुलाई को साम को  
परिवर्तन नहीं करता यह यहां के  
प्रधान साक्षात् दानों के लिये यहूँ

दूर, ये इस लीला एवं अद्भुत  
वाक्य भावना ने उन्हें दान का  
नियम। जिस दान से उन्हें दान में  
लौटी भीट आई।

\* दूष पृ 5 वा

दो के अंगदान से 10 को मिला जीवनदान

उन्हें भी प्राथमिक उपचार के बाद विशेष उपचार के लिए अंतिमपद्धति  
झाँगियरल में भर्ती किया गया था। उन्होंने एक ही दिन में बारी 22 बुलाई की  
न्यूरोसर्जन ने जायेबेन देसाई और मनु पटेल को ब्रेनदेंड थोरिंग किया गया  
है। दोनों लालक निवास के प्रधान निवास यांडेलेलवाला का सापर्क किया।  
मांडलेलवाला तुरन्त अपनी टीम के साथ हाँस्मिकता में उत्तुः। उन्होंने  
ब्रेनदेंड व्यक्तियों के परिवारों के उपचार तथा मांडलेलवाला ने उनके परिवारों  
को अंगदान का महान श्रीर श्रीकाया के बारे में समझाया। जिससे उन्हें  
पाले सहमत हो गए। मांडलेलवाला ने जायेबेन देसाई को दीनों  
व्यक्तियों की दान में मिली 4 किडनी, दो नींव अवश्यक भाव में 6 वर्षावाले  
व्यक्तियों में ट्रांस्फुल्ट की गई। जिससे उन सह व्यक्तियों को जीवनदान  
दिलाने के साथ उनके परिवार में भी खुशी लग गई। इसके अलावा चारुओं का  
भी दान किया। इस प्रकार दोनों ब्रेनदेंड व्यक्तियों की जान किडनी, दो लीवर  
और चारुओं के दान से 10 वर्षावाले व्यक्तियों को जीवनदान मिला है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेंड के बाट किडनी, तिवर, हृदयदान..."



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# महिला एवं पुरुष ने अंगदान कर 10 व्यक्तियों की महकाई जिन्दगी

बीओटी संवाददाता

सूरत, 23 जुलाई

अनाविल ब्राह्मण और कोली पटेल समाज के दो व्यक्तियों ने अपने अंगों का दान कर 10 व्यक्तियों के जीवन में नई खुशियों का संचार किया है। इन लोगों ने मानवता के साथ समाज को नई दिशा दिखाई है।

अनाविल ब्राह्मण समाज की छाया देसाई घर पर टीवी देख रही थी, उस दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें उधना की अस्पताल में भर्ती किया गया, जहाँ से अधिक ईलाज के लिए उन्हें दूसरी अस्पताल में ले जाया गया। वहाँ पर उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया।

वहाँ दूसरी घटना में कोली पटेल समाज के मनु पटेल मोरा गांव से अपने घर बाईंक पर लौट रहे थे, उस दौरान अज्ञात व्यक्ति



की टक्कर से वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका भी प्राथमिक ईलाज पारसी अस्पताल में करने के बाद आईएनएस अस्पताल में किया गया। जहाँ पर ईलाज के दौरान उन्हें भी ब्रेन डेड घोषित किया गया।

इन दोनों व्यक्तियों के संदर्भ में डोनेट लाईफ संस्था को पता चलने पर उन्होंने दोनों के परिवार से सम्पर्क किया और अंगदान के संदर्भ में समझाया। जिसके बाद लीवर, किडनी और आंखों का दान किया गया। इन दोनों व्यक्तियों के दान से 10 व्यक्तियों की जिन्दगी में खुशियाँ भर गई हैं।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## ब्रेनडेड महिला-पुरुष के अंगदान से 10 लोगों को मिला नया जीवन

लोकतंत्र संवाददाता

सूत। अनश्विल ग्राम्य समाज और कोली पटेल समाज के ब्रेनडेड हायाबेन चेतनकुमार देसाई तथा मनुभाई छीबाभाई पटेल के परिवारजनों ने अंगदान का निर्णय लेने से ज़रूरतमंद 10 लोगों को नया जीवन प्रदान किया गया।

डोनेट लाईफ संस्था की ओर से मिली जानकारी के अनुसार 17 जुलाई को छायाबेन टीवी रेख रहे में तभी अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें ठधना स्थित अस्पताल में भर्ती किया गया जहां से अधिक चिकित्सा के लिए आईएएस अस्पताल ले गए। न्युरोसर्जन ने सिरी स्क्रेन रिपोर्ट के बाद छायाबेन के हिमाग में ज़मा खुन का गट्टा ढू



किया, उसके बाबजूद तबियत में कोई कम कही गई हुआ। 22 जुलाई को चिकित्सकों ने छायाबेन को ब्रेनडेड घोषित किया। दुसरी पटेल में 20 जुलाई को शाम मनुभाई योगा गांव से डॉभेर पाटिया तीन यात्रे के बास रखा क्रोस कर रहे थे तभी बाहिक ने टक्कर मारी थी। मनुभाई के सिर में गहरी चोट लगने पर उन्हें आईएएस अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां सिल्वेस्ट्रेन रिपोर्ट में दिमाग में सुन जम कर गुलाता

हुआ। चिकित्सकों ने मनुभाई को ब्रेनडेड घोषित कर उनके परिवार के सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी। छायाबेन और मनुभाई ब्रेनडेड घोषित होने के बाद उनके परिवार के सदस्यों ने अंगदान की परीक्षण देने पर डोनेट लाईफ संस्था ने एक ही दिन में दो ब्रेनडेड मरीजों का किडनी, लिवर तथा चक्क्रमुखों का अंगदान प्राप्त करके 10 ज़रूरतमंद लोगों को नया जीवन प्रदान किया गया।

## 2 ब्रेनडेड दृद्धि अंगदान करी 10 व्यक्तिओंने नवज़्यवन आप्यु बंने डोनरने 22मी जुलाई ब्रेनडेड जाहेर कराया हुता

लेखकतंत्र | सुरत

शहेरभागी लेके ज़िद्दी से ब्रेनडेड व्यक्तिओंना अंगोनु दान करी 10 व्यक्तिओंने नवज़्यवन आप्यामां आप्यु छे. उपना गाम, टेस्टर स्ट्रीट, गायवी महिनरी सामें रोता छायाबेन चेतनकुमार देसाई (58) ता. 17 जुलाईना रोज़ ज़मीने टीवी ज़ोता रहा त्यारे ऐकाइके तबियत भगाइता तेमने तात्कालिक उपनानी छोसिटल बाद आईमेनमेस छोसिटलमां दानबद कराया रहा. ज्यारे बीज बनावामां नवसारी



ब्रेनडेड छायाबेन अंगोनु दान करायु

नवगाम, पटेल इजिया भाते रहेता मनुभाई छीबाभाई पटेल (63)ने अज्ञात्या आहिक चालके टक्कर मारता मायाना भागे गंभीर उज्जाओं शही रही. 22 जुलाईने बनेने ब्रेनडेड जाहेर कराया

सूत. डॉ. अनिदुष्ट आईएस डोनेट लाईफ़ी टीमने संपर्क करता टीमे बने परीवारोंने ओर्गन डोनेशननु भवात्प समझायु रहतु अने अने परिवारजनों तरक्की अंगदाननी संभवि भजता अभद्रवादनी आईडीआरसीनी टीमे आवी छायाबेन अने मनुभाईना किडनी अने लिवरनु दान स्वीकार्यु. ज्यारे बने व्यक्तिना चक्क्रमोनु दान ब्रेनडेड चक्क्रमेड स्वीकार्यु. दानमां मेज़ववामां आवेली चार किडनी अने बे लिवरनु ट्रान्सप्लान्ट उ अट्रियातमंद दृद्धिअमां करायु छे.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयादान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## સુરતમાં બ્રેઇનડેડ બે વ્યક્તિના ચાર કીડની, બે લિવર અને ચાર ચક્કુના દાન

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા.

૨૩

અંગદાન માટે દેશમાં ખ્યાતિ પ્રાપ્ત કર્ણાર સુરત શહેરમાંથી વધુ બે બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિના ચાર કીડની બે લિવર સહિત ચાર ચક્કુઓના દાન થયા હતા. એક જ દિવસે આટલા અંગોનું દાન થયું હોય તેવી દેશની આ પ્રયત્ન ઘટના બની હતી.

ડેનેટ લાઈક સંસ્થાની પાઠીમાં જાળાયા અનુસાર, સુરત મનપાના આરોગ્ય ખાતામાંથી નિવૃત થયેલા અને ઉધના ખાતે રહેતા છાપાબેન ચેતનકુમાર દેસાઈ (૩.૧.૫૮) તા. ૧૭મીના રોજ જમીને ચારે ૧૦૦ કલાકે દીવી જોતાં હતા ત્યારે એકાએક તબિયત બગાડતાં તેમને તાત્કાલિક ઉધના હોસ્પિટલ માલીમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા ત્યાં પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે આઈએનએસ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોકિઝિશિયન ડૉ. અનિરુધ્ય આપેની સારવાર ડેઢણ દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા.

નવસારી તાલુકાના નવાગામ પટેલ ફળિયા ખાતે રહેતા ખેડૂત મનુભાઈ છીભાભાઈ પટેલ (૩.૧.૬૩) તા. ૨૦મીના રોજ સંધે ૭:૧૫ કલાકે મોરાર ગામેથી પોતાના ધરે બાઈક પર પરત ફરી રહ્યા હતા ત્યારે ડાંબર પાટિયા, ત્રણ સસ્તા પાસે



રસ્તો કોલ કરવા માટે ઉભા હતા ત્યારે એક અજ્ઞાદાયા બાઈક ચાલકે ટક્કર મારતા મનુભાઈ પોતાની બાઈક પરથી કંગોળાતા માથાના ભાગે ગંભીર ઈજાઓ થવાથી તેમણે તાત્કાલિક નવસારીની પારસી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે સુરતની આઈએનએસ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોકિઝિશિયન ડૉ. અનિરુધ્ય આપેની સારવાર ડેઢણ દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા. બંને પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા નિલેશ મંડવેવાલાને State Organ and

Tissue Transplant Organization (SOTTO) ના કંવીનર ડૉ.પ્રમાંજલ મોદીનો સંપર્ક કરી કિડની અને લિવરના દાન માટે જગ્યાએ હતું.

અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) માં ડૉ.પ્રમાંજલ મોદી અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.

Research Centre (IKDRC)ના ડેઝમાલ રીજની અને તેમની ટીમે આવી છાપાબેન અને મનુભાઈના કિડની અને લિવરનું દાન સ્વીકાર્ય જ્યારે બંને વ્યક્તિના ચક્કુઓનું દાન લોકદારી ચક્કુંએ સ્વીકાર્ય હતું. ક્રેવીલ-૧૮ ના લોકડાઉન પણે એક જ દિવસે સુરત હોસ્પિટલમાંથી ડેનેટ લાઈક દ્વારા બે બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિઓના પરિવારજનો સાથે સમજાવ કેળવી ચાર કિડની, બે લિવર સહીત ચાર ચક્કુના દાન કરાવવાની દેશમાં આ સૌપ્રયમ ઘટના છે.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી ચાર કિડની અને બે લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ છ જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) માં ડૉ.પ્રમાંજલ મોદી અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે.

**મનપાના નિવૃત કર્મચારી છાપાબેન દેસાઈ અને નવસારીના ખેડૂત મનુભાઈ પટેલના અંગોનું દાન થયું**

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે વાટ કિડની, લિવર, હટયાટાન... "



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

લોકડાઉન બાદ સમગ્ર દેશમાં પ્રથમ કિસ્સો

## સુરતની ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાને એક જ દિવસે ૪ કિડની, બે લિવર અને ચાર આંખનું દાન મળ્યાં

સુરત, તા. ૨૩ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોકિલ્જિશિપન ડૉ. જગ્નાલ્યું મારા પણ અમને છે. અનાવિલ ભ્રાહ્મણ સમાજનાં અનિરુદ્ધ આદેનો સારવાર હેઠળ શિખામણ આપતા કે આપણે જીવનમાં જરૂરિયાતમંદ વ્યક્તિને મદદરૂપ થવું જોઈએ.

અનાવિલ ભ્રાહ્મણ સમાજનાં બ્રેઇન્ડેડ છાયાબેન ચેતનકુમાર દેસાઈ દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા. અને અને કોળી પટેલ સમાજનાં બ્રેઇન્ડેડ આ બંને તેસમાં સીટીસેન બાદ મનુભાઈ છીબાબાઈ પટેલનાં પરિવારોએ સારવાર શરૂ કરતાં રરમી જુલાઈને તેમના કિડની, લિવર અને ચલ્યુઓનું દાન કરવાનો નિર્ણય લેતાં જરૂરિયાતમંદ ૧૦ વ્યક્તિને નવું જીવન મળ્યું છે. આ બંને પરિવારોએ આધ્યાત્મન વિસરીને સારવાર શરૂ કરતાં રરમી જુલાઈને તેમના કિડની, લિવર અને ચલ્યુઓનું દાન કરવાનો નિર્ણય લેતાં જરૂરિયાતમંદ ૧૦ વ્યક્તિને નવું જીવન મળ્યું છે. આ બંને પરિવારોએ આધ્યાત્મન વિસરીને મનુભાઈને બ્રેઇન્ડેડ જાહેર કર્યાં હતાં. એનેસ્ટેટિસ્ટ ડૉ. સમીર દેસાઈ માનવતા મહેષાવવાનો નિર્ણય કરીને સમાજને નવી દિશા ચીંધી છે.

છાયાબેન ૧૭ જુલાઈને જમીને ચાને ૮-૦૦ કલાકે ટીવી જોતાં હતાં, ત્યારે એકાંકે તલ્લિયાં બગડતાં તેમને તાત્કાલિક ઊથના હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા, જ્યાં પ્રાયમિક ઉપયાર બાદ વધુ સારવાર માટે આઈએનએસ હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોકિલ્જિશિપન ડૉ.

અનિરુદ્ધ આદેનો દેખરેખ હેઠળ દાખલ કરવામાં આવ્યા હતાં. બીજા જનાવમાં મનુભાઈ પટેલ સોમવાર ૨૦મી જુલાઈને સાંજે ૭-૧૫ કલાકે મોરાજામણી બાઈક પર પોતાના ઘરે પરત કરી રહ્યા હતાં. ડાંબર પાટિયા, ગજી સરસા પાસે રસ્તો કોસ કરવા જીબા હતા ત્યારે એક અજાસ્યા બાઈકચાલેક ટક્કર મારતાં મનુભાઈ પોતાની બાઈક પરથી કંગોળાતાં માથાના ભાગે ગંભીર ઈજાઓ થતાં તેમને સુરતની આઈએનએસ સેવાનાવી હતાં. મનુભાઈના પુત્રે



તેમજ ન્યૂરોકિલ્જિશિપન ડૉ. અનિરુદ્ધ આદેને સ્ટેટ એડવાઈઝરી કમિશી કોર ઓર્ગાન અને ટિસ્પુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશન કમિશીના મેમબર અને હેનેટ લાઈફનો સંપર્ક કરતાં જોઈનેડ છાયાબેન અને મનુભાઈના પરિવારજનોને મૃતકોનાં અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા અને તેનું મહત્વ સમજાવ્યું.

છાયાબેનના પતિ અને પુત્રને જગ્નાલ્યું કે તેઓ ખૂલ્યું કે પાર્થિક અને

સ્ટેટ ઓર્ગાન એન્ડ ટિસ્પુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગાનાઈઝેશન (SOTTO)ના કન્વીનર ડૉ. પ્રોઝલ મોદીનો સંપર્ક કરી કિડની અને લિવરનું દાન માટે જગ્નાલ્યું. અમદાવાદની ઈન્સિટ્યુટ ઓફ કિડની ટિસ્સીસ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટર (IKDRC) ના ડૉ. જગ્નાલ દિલ્જિંગી અને તેમની ટીમે આવી છાયાબેન અને મનુભાઈના કિડની અને લિવરનું દાન સ્ટીકાયું. જ્યારે તેમના ચલ્યુઓનું દાન લોકડાઉન ચલ્યું બેંક સ્ટીકાયું હતું.

બે અલગ-અલગ બનાવોમાં બ્રેઇન્ડેડ જાહેર કરાયેલા અનાવિલ ભ્રાહ્મણ સમાજનાં છાયાબેન ચેતન દેસાઈ અને કોળી પટેલ સમાજના મનુભાઈ છીબા પટેલના પરિવારોએ અંગદાન કર્યું

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનકેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હટયાટાન..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## કોરોના મહામારીમાં પણ સુરતમાં અંગદાનની પ્રવૃત્તિ અવિરત એક જ દિવસે બે બેઈનડેડ દર્દીના અંગદાનથી ૧૦ વ્યક્તિને નવજીવન

| સુરત |

કોરોનાની મહામારી વચ્ચે પણ સુરતમાં અંગદાનની પ્રવૃત્તિ અવિરત ચાલી રહી છે. અનાવિલ ભાલ્યાણ અને કોળી પટેલ સમાજની જાગૃતિને પગલે બેઈનડેડ બે વ્યક્તિના અંગદાનથી ૧૦ જીવાને નવજીવન મળ્યું છે. એક જ દિવસમાં બેઈનડેડ બે વ્યક્તિના અંગદાનથી ૧૦ જીવાને નવજીવન મળ્યું હોય તેવી આ દેશની પ્રથમ ઘટના સુરતમાં બની છે.

ઉધનાગામ ખાતે દેસાઈ સ્વીટમાં રહેતા છાયાબેન ચેતનકુમાર દેસાઈ (ઉ.વ.પટ) જત તા. ૧૭ જૂલાઈના રોજ રાતે પરમાં ટીવી જોઈ રહ્યા હતા, ત્યારે અચાનક તેમની તખ્યિત લથડતા આઈએનએસ હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યારે નવસારી, નવાગ્રામના પટેલ ફળિયામાં રહેતા મનુભાઈ ધીબાભાઈ પટેલ (ઉ. વ.વ.ડ) જત તા. ૨૦મીએ સાંજે મોરાર ગામથી બાઈક પર ઘરે આવી રહ્યાં હતા, ત્યારે અજાણ્યા બાઈક ચાલકે તેમને ટક્કર મારતા ગંભીર હિંજ થઈ હતી. તેમની પાથમિક સારવાર સ્થાનિક હોસ્પિટલમાં કરાવ્યાં બાદ વધુ સારવાર માટે સુરતની આઈએનએસ હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. બંને કેસમાં સિટીસ્કેન કરાવી તપાસ કરાતા તેમના મગજમાં લોહીના ગર્ભો જામી ગર્ભો હોવાનું નિદાન થયું હતું. જે સર્જરી કરી દૂર કરાયો હતો. ત્યારબાદ બુધવારે બંનેને તનીઓની ટીમે બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમને આ અંગે



**અનાવિલ ભાલ્યાણ અને કોળી પટેલ સમાજની જાગૃતિથી સુરતમાં બની દેશની પ્રથમ ઘટના**

જાણ કરાતા છાયાબેન અને મનુભાઈના પરિવારને અંગદાન મહત્વ સમજાવાયું હતું, જેને પગલે તેઓ સ્વજ્ઞના અંગોનું દાન કરવા તૈયાર થયા હતા. આમ, અનાવિલ ભાલ્યાણ અને કોળી પટેલ સમાજની જાગૃતિથી ચાર કિડની, બે લિવર દાનમાં મળતા છ જરૂરિયાતમંદ દર્દીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા હતા. જ્યારે ચાર ચખુનું દાન લોકડ્રાફ્ટી ચખુંબેક સ્વીકાર્યું હતું.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૬૭ કિડની, ૧૪૮ લીવર, ૭ પેન્કીઅસ, ૨૭ હદ્દ્ય, ૪ ફેક્સાં અને ૨૭૦ ચખુંબો મળી કૂલ ૮૨૪ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૫૮ વ્યક્તિઓને નવજીવન અને નવી દ્રષ્ટિ બલવામાં સહિત મળી છે.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે વાટ કિડની, લિવર, હદ્દ્યાનાં..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## બે બ્રેઇન ડેસ દર્દીઓના અંગદાન થકી ૧૦ લોકોને નવી જુંગાની સાંપડી

**છાયાબેન દેસાઈ**  
**તથા મનુભાઈ**  
**પટેલના**  
**પરિવારજનોએ**  
**અંગદાન કરી**  
**માનવતા મહેકાવી**

સુરત, તા. ૨૪

શહેરમાંથી એક જ દિવસે બે  
બે દર્દીઓના  
અંગોનું દાન  
કરી ૧૦  
વ્યક્તિઓને  
નાવ જીવન  
આપવામાં  
આવ્યું છે. ઉધના ગામ, દેસાઈ  
સ્ટ્રીટ, ગાયગી મંદિરની સમે રહેતા  
છાયાબેન ચેતનકુમાર દેસાઈ (૫૮)



બે દર્દીઓના  
અંગોનું દાન  
કરી ૧૦  
વ્યક્તિઓને  
નાવ જીવન  
આપવામાં

તા. ૧ જુલાઈના રોજ જમીને ટીવી  
જોવાં હતા ત્યારે એકાએક તબિયત  
બજારનાં તેમને તાત્કાલિક ઉધનનાં  
હોસ્પિટલ બાદ આઈએનએસ  
હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા.  
જ્યારે બીજી બનાવમાં નવસારી  
નવાગામ, પટેલ ફળિયા ખાતે  
રહેતા મનુભાઈ છીભાભાઈ પટેલ  
(૬૩) ને અજાણ્યા બાઈક ચાલકે  
ટક્કર મારતા માથાના ભાગે ગંભીર  
ઈજાઓ થઈ હતી. ૨૨ જુલાઈ  
૬૧૨૦૮૦૨૦૮૦  
બે દર્દીઓનું  
જીહેર કરાયા  
હતા. ડૉ.  
અનિલ રૂદ્ર  
આએઓ ડેનેટ  
લાઈફની  
ટીમને સંપર્ક કરતા ટીમ બસે  
પરિવારોને ઓગનિ ડેનેશનનું  
અનુસંધાન પાણા ૭ પર



**બે બ્રેઇનડેસ**  
**છક્કા પાણાનું ચાલુ**

મહત્વ સમજાવ્યું હતું અને બસે  
પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની  
સંમતિ મળતા અમદાવાદની  
આઈકેપિયારસીની ટીમે આવી  
છાયાબેન અને મનુભાઈના ડિડની  
અને લિવરનું દાન સ્વીકાર્ય. જ્યારે  
બસે વ્યક્તિના ચક્કાઓનું દાન  
લોકડાયી ચક્કાઓકે સ્વીકાર્ય. દનામાં  
મેળવવામાં આવેલી ચાર ડિડની અને  
બે લિવરનું ટ્રાન્સપલાનટ છ  
જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કરાયું છે.

" જીતે જી રહ્યાન, બ્રેનડેસ કે બાદ કિડની, તિવર, હદ્યાટાન... "



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# ઉધના અને નવસારીના બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિનાં અંગદાનથી ૧૦ના જીવનમાં અજવાળું પથરાયું

(પ્રતિનિધિ દ્વારા)

સુરત જુદુવાર  
ઉધનામાં રહેતા પાલિકાના નિવૃત્ત  
કર્મચારી અને નવસારીના પ્રોફ્લેઇન ડેડ  
ઘણા બાદ તેમના પરિવારે ચાર  
કિડની, બે કિવર અને ચાર ચાલુઓનું  
દાન કરીને દસ વ્યક્તિને નવ જીવન  
આપી માનવતા મહેકાવી છે.

ઉધના ગામમાં મંદિર પાસે  
દેસાઈ સ્ટ્રીટમાં રહેતા અને  
પાલિકાના આરોગ્ય વિભાગના  
નિવૃત્ત કર્મચારી પટ વર્ષીય  
છાયાબેન ચેતનાનુમાર દેસાઈ જે  
તા. ૧૭મી રાતે જામીને ટીવી જોતાં  
હતા ત્યારે એકાંકે તખિયત  
લયદાન ઉપનાની ખાનગી હોસ્પિટબમાં  
ખરેડાયા હતા. જ્યારે નવસારીમાં  
નવાગામમાં પટેલ કલિયામાં રહેતા હત  
વર્ષીય મનુભાઈ છીનાભાઈ પટેલ જે  
તા. ૨૦ મી સાંચે મોચાર જામેદી પોતાના  
પરે બાઈક પર પરત ફરતા હતા ત્યારે  
અજ્ઞાન્યા બાઈકસારા ટક્કર મારતા  
ગંભીર ઈજા કરતા પ્રથમ નવસારી બાદ  
સુરતની ખાનગી હોસ્પિટબમાં સારવાર  
માટે ખરેડાયા હતા.



બંને દ્વારાના કિસ્સામાં મજાહમાં  
લોહીનો જણો જામી જપાનું અને સોજો  
લોપાનું સિટી સ્કેનમાં નિદાન થયું હતું.

ત્યારબાદ તા. ૨૨મીને ક્રોફ્ટરોની ટીમે  
છાયાબેન અને મનુભાઈ બંનેને બ્રેઇનડેડ  
જાહેર કર્યા હતા. તે અને જાણ કરતા ડોનેટ  
લાઈનની ટીમે હોસ્પિટબ પદોચી બંને  
દ્વારાના પરિવારના સભ્યોને  
અંગદાનનું મહાત્વ સમજાવતા તેઓને  
સંમત ઘણા હતા. અમદાવાદની  
ઈન્સ્ટિટ્યુટ એક ક્રિકેની ડીસીસ બેન્ડ  
રીસર્ચ સેન્ટર ટીમે આવી છાયાબેન  
અને મનુભાઈના કિડની અને કિવરનું  
દાન સ્વીકાર્ય હતું. જ્યારે બંનેના  
ચાલુઓનું દાન લાકડાઈ ચાલુંદે  
સ્વીકાર્ય હતું.

### એક જ દિવસે બે બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિના અંગોના દાનની દેશની પહેલી ઘટના

અનથોક બાદ એક જ દિવસે બે બ્રેઇનડેડ વ્યક્તિનોના પરિવારજનો જીવે  
સમજાસ કેળવી ચાર કિડની, બે કિવર સહીન ચાર ચાલુના દાન કરવાની દેશમાં આ  
સૌપ્રથમ ઘટના છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી ચાર કિડની અને બે કિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ  
હ જરૂરિયાતમંદ દ્વારાનોમાં કરવામાં આવ્યું છે. સુરત અને દાસીન નુજુરાતમાંથી  
ડોનેટ લાઈન દ્વારા ત૩૭ કિડની, ૧૪લિલિવર, ૭ પેન્નીબાસ, ૨૭ કદય, ૪ કેંસાં  
અને ૨૭૦ ચાલુઓ મળી કુલ ૮૨૪અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૫૮  
વ્યક્તિનોને નવુછવન અને નવી દ્રષ્ટી આપવામાં આવી છે.

**ઉધના ગામનાં આરોગ્ય વિભાગના નિવૃત્ત કર્મચારી છાયાબેન દેસાઈ તથા  
નવસારી નવાગામનાં મનુભાઈ પટેલનાં લીવર, કિડની અને આંખોનું દાન**

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે લાદ કિડની, લિવર, હટયાટાન... "



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## DONATE LIFE

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January 2006 to 22nd July 2020

365

KIDNEY

148

LIVER

7

PANCREAS

27

HEART

4

LUNGS

268

CORNEA

DONATE LIFE™  
an initiative for organ donation

Which has given new lease of life &  
vision to 754 persons across the country & globe

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."